

बीकानेर के किसान आन्दोलन

↳ 1907 में BKNR रियासत के चुरू भाग में सर्वहितकारिणी
सभा की स्थापना हुयी → कबीर पाठशाला और पुत्री
पाठशाला खोली गयी। → स्वामी गोपाल दास ने

→ 1930, 31, 32 तीन गाँवों में ज सम्मेलन में BKNR शासक
गंगा सिंह ने भाग लिया

- BKNR दिक् दर्शन पत्रिका → चन्दनमल बहड, गोपालदास ने महाराजा गंगा सिंह की विरोधी नितियों को उजागर किया
- महाराजा गंगा सिंह ने इन राजदौरे को अरोंप लगाकर जेल में जदिया जिले BKNR बडयार कंस के नाम से जाना जाता है
- 1936 → बीकानेर प्रिंजामण्डल कागहन मधाराय वंध मधाराय वंध की पुस्तक → BKNR में थी थी पी थी
- 1937 BKNR रियासन में उदासर गांव से किसान आन्दोलन प्रारम्भ ने तत्व प्रज जीवन राम चौधरी

→ 1942 → बीकानेर प्रजा परिषद का गठन → रघुबर दयाल जोष

→ 30 जून 1946 को बीकानेर रियासत के राजसिंह-नगर भाग में
BKNR प्रजा परिषद के कार्यकर्ताओं पर गोलियाँ-चलायी
शहीद → बिरबल सिंह शहीद

दुधवा खारा किसान आन्दोलन : 1924 → 1944-46

↳ नेतृत्व → हनुमान सिंह

महिला नेतृत्व → खेतु बाई

(बीकानेर रियासत के आन्दोलन)

कांगड़ किसान आन्दोलन → 1946

उदालर " " 1937

महापत्री " " 1938

हम्मीर सिंह वाला " "

घडसाणा किसान " → 2004

मारवाड किसान आन्दोलन →

↳ 1920 → मारवाड सेवा संघ

↳ तेल आन्दोलन → चन्द्रमल सुराणा के नेतृत्व

↳ मारवाड सेवा संघ की पहली विजय

1923-24 → मरुधर हितकारिणी सभा → अय्यायण खास

↳ इनकी पहली विजय → मादा पशुओं पर रोक

1929 → मारवाड राज्य परिषद कागहन

1934 → मारवाड प्रजामण्डल

1936 → छुआ दिवस

1938 → मारवाड लोक परिषद का गठन

1942 → चन्दावल काण्ड

डाबड़ा काण्ड : (डीउवाता कुचामन) → 13 मार्च 1947

↳ मारवाड लोक परिषद के कार्यकर्ता भी पर गोलियाँ चनी

→ शहीद → चन्डुलाल, चन्ना राम, पन्ना लाल

मुन्ना लाल

रुंगा राम

जनजाति आन्दोलन

भगत आन्दोलन : भीलों के सामाजिक उत्थान के लिए चलाया गया आन्दोलन

नेतृत्व → गुरु जीविन्द गिरी

4 जन्म → 1858 → बांसीया / डुंगरपुर (बेजारा परिवार)

गुरु → राजगिरी

प्रेरित :- स्वामी दयानन्द सरस्वती से प्रेरित होकर

भीलों को लिखित देव की राप प दिलवाते थे

मार्क

1883 → सम्प्रदाय का गठन मुखिया गांव में किया

1903 → मानगढ की पहाड़ी पर आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को अर्धिवेशन

नोट : 1841 मैवाड भील कोंट का गठन (MBC)

मैवाड महाराणा सरदार सिंह

मुखिया → दौला काका / दौलत सिंह

मुख्यालय → खैरवाड़ा → उदयपुर

→ मानगढ हत्याकाण्ड → 17 नवम्बर 1913 → बालवाडा

हैमिल्टन → 4 m B C द्वारा गोलिया चलायी
शहीद → 1500 भील शहीद हुये

→ राजस्थान का गोलिया वाला बाग हत्याकाण्ड कहा जाता है इसे

→ गुरु गोविन्द गिरी का अन्तिम समय → कर्बवाई गुजरात

रुम्मी आन्दोलन :- 1921 →

- ↳ भीलों के सामाजिक अधिकारों के लिए चलाया गया आन्दोलन
- ↳ शुरुआत → वैशाख पूर्णिमा → मातृकुण्डिया चितौड़ाद से
- ↳ नेतृत्व → मोती लाल तैजावत

जन्म → 1887 → कौन्थारी गांव उदयपुर (भैसवाल परिवार)

पिता → नन्दलाल

माता → कंसर बाई

इन्हें आदिवासियों का मसिहा / बावजी कहा जाता है।

- नारा → "ना हाकिम ना हुम्म"
- २। सुग्रीय मांग → मैवाड पुकार संज्ञा दी
- मौंतीबाल तै जावत ने ह्यार्डल ठिकाने से आर्दोलन का भी गर्णेश

५ पांच व्यक्ति

नीला → निलाशंकर शास्त्राण

काला → कृष्ण भीशी

बाला → बाला लोहार

पीला → अम्बावा कुम्हार

लच्छा → लछी राम

→ 1922 પાલ છિતભિયા ગાંવ મે સિરૌની ૨૨ મીલ મારે જયે

નિમણ હત્યા → ૭ માર્ચ 1922

↳ મેખા પ્રિચાર્ડ | સરન નામક અગ્રેખ અધિકારિયો
જે ગોલીયાં ચલવાયી
→ 1200 મીલ રાહીદ

↳ રાખક કા હુસરા ખનિયાવાલા ષાગ હત્યાકાળુ

मीणा आंदोलन → 1924-1952

↳ नेतृत्व → लक्ष्मीनारायण शर्मा के नेतृत्व

कारण → 12 वर्ष की आयु से अधिक महिला। पुरुष को नजदिकी
थाने में उपस्थिति दर्ज करवानी पड़ती है

मीणा जनध्याति पर 1924 क्रिमिनल डाइब्ल्यू एक्ट (अरायम पैशा कातून)
लागू किया

→ पिछड़ी जातियों के महिला → ठम्कर बाप्पा ने इस कातून को रद्द करने की मांग

1933 → मीणा क्षत्रिय सभा की स्थापना → छोटू लाल। महोदय के नेतृत्व

1944 → मीणा सुधार समिति का गठन → नीम का थाना सीकर

↳ अध्यक्ष → वंशीधर शर्मा

1952 में समेट रद्द हुआ।

डावड़ा काण्ड → डीप्राना कुचामण्ड

→ डुंगलपुर → (शिवा)

शोर-रु-क्या

1947

→ रास्तापाल काण्ड → 20 जून 1947

देवराम शर्मा की
कहा जाता है

तसिर्मा काण्ड

→ चौबपुर

छतर सिंह

पंचम सिंह

पुनावाड़ा काण्ड → डुंगलपुर

→ शिवराम भील राही

→ नाना भाई खाट

शेंगा भाई

काली बाई

→ राही

→ राज का शिवा के क्षेत्र
में सर्वोत्तममान

→ काली बाई लोहापुरा का